Workshop on Attendance and Leave Monitoring System
Ashoknagar 16th January 2014

District administration Ashoknagar, wants to materialize in the district, one more IT Application for good governance named “Attendance and Leave Monitoring System – ALMS” for around 4500 teachers posted in the district. As usual this time also NIC Ashoknagar is providing the necessary platform. The education portal of the MP state is customized as per the requirement of the district. After testing it at the NIC Centre, an action plan is designed by District administration, Department of education and NIC District Centre for smooth and easy implementation of the project in all 1553 (primary, middle, high and higher secondary) government schools of the Ashoknagar district.

In this context, a workshop organized on 16 January 2014 in the assembly hall of Collectorate. In this workshop, District Education Officer, all Block Education Officers, all the DDOs of Education department, Programmer, APCs, all Principals of Higher Secondary & High Schools, all CACs and some Headmasters and teachers participated (total participants 120 approximately). The workshop divided in two batches due to large number of participants. Mr. S. K. Jain and Mr. Girish Anwekar were the faculty members from NIC district centre.

District Informatics Officer Mr. S. K. Jain explained the aim and importance of the project. He exhibited the flow of data so that the users could understand the whole process. In this system, school principal/headmaster has to daily report about his/her school's teachers leave to its DDO office with the help of shankul in-charge through telephone/ mobile. DDO will enter the teacher's leave details online in the system through his credentials within time limit.

The system has a provision for district administration to generate a report of teachers selected randomly for the verification. After that the portal is shown on LCD projector and all the menu items explained one by one to the participants it is specially highlighted how the information would be received on the data entry end on or before specified time and how they will enter the data into the portal. Also shown the generated reports on random basis so that the administration could cross check and verify the attendance at the real site. In the last, the participants raised their technical, procedural and administrative doubts, which were clarified by NIC team and Education department officials.

दैनिक भास्कर

निर्देश | शिक्षकों की बगैर बताए अवकाश पर चले जाने की परेशानी से निजात पाने के लिए किया जा रहा साफ्टवेयर तैयार

अब शिक्षकों के अवकाश की जानकारी रहेगी पोर्टल पर

» कलेक्टर के निर्देश पर एनआईसी कर रहा साफ्टवेयर तैयार

» करीब एक सप्ताह बाद होगी प्रक्रिया की शुरूआत

सचिन शर्मा | अशोकनगर

बगैर अवकाश के स्कूलों से गायब रहने मारने वाले शिक्षकों पर लगाम कसने के लिए कलेक्टर के निर्देश पर एनआईसी विभाग के द्वारा एक साफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है। करीब एक सप्ताह बाद जिले के किस स्कूल के शिक्षक अवकाश पर हैं इसकी जानकारी हर कोई शिक्षा विभाग के पोर्टल पर देख सकेगे। ऐसे में बगैर बताए स्कूलों से तड़ी मारने की आदत से छुटकारा मिलेगा। साफ्टवेयर डवलपमेंट के बाद जिले के किसी भी स्कूल में अधिकारियों के द्वारा औचक निरीक्षण किया जाएगा। इस दौरान बगैर पूर्व अवकाश लिए स्कूलों से गायब रहने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई की जाएगी।

जिले के सभी स्कूलों की अब ऑनलाइन मॉनीटरिंग की जाएगी। बगैर किसी अवकाश के स्कूलों से गायब रहने के चलते छात्र-छात्राओं की पढ़ाई पर प्रभाव पड़ता है। ऐसे में आए दिन शिकवे शिकायतों को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर द्वारा शिक्षकों की उपस्थिति और अवकाश की ऑनलाइन मॉनीटरिंग करने का तरीका इजाद किया गया है। इस प्रक्रिया के प्रारंभ होने पर शिक्षकों को अवकाश स्वीकृति के लिए अपने हेडमास्टर को आवेदन देना होगा। हेडमास्टर द्वारा अवकाश के लिए आए आवेदन की जानकारी अपने डीडीओ को दी जाएगी। इसके उपरांत डीडीओ के द्वारा अनुपस्थित शिक्षकों की जानकारी शिक्षा विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन डाली जाएगी। जिले के सभी वेतन आहरण केन्द्र (डीडीओ) की रिपोर्ट प्रतिदिन वरिष्ठ अधिकारियों के पास रहेगी। इस रिपोर्ट में दर्ज शिक्षकों के अलावा स्कूल में निरीक्षण के दौरान अन्य कोई शिक्षक अनुपस्थित मिलता है तो ऐसे में संबंधित शिक्षक के पर कार्रवाई की जाएगी।

अशोकनगर | जिला शिक्षा कार्यालय

हर कोई देख सकता है कि शिक्षक ने अवकाश लिया है या नहीं

शिक्षा विभाग के पोर्टल पर अनुपस्थित शिक्षकों की जानकारी रहने के कारण विभागीय अधिकारियों के अलावा आम व्यक्ति भी यह देख सकेंगे कि संबंधित स्कूल में अगर शिक्षक उपस्थित नहीं है तो क्या उसकी जानकारी ऑनलाइन डली है या नहीं। ऐसे में अगर संबंधित शिक्षक बगैर किसी अनुमति के संस्था से अनुपस्थित है तो कोई भी व्यक्ति इसकी शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों को कर सकता है।

कलेक्टर साहब के निर्देशन पर अवकाश लेने वाले शिक्षकों की जानकारी के लिए साफ्टवेयर बनाया जा रहा है। करीब एक सप्ताह में उक्त प्रक्रिया प्रारंभ होने की संभावना है।"
एसके जैन, डीआईओ अशोकनगर।

इसलिए पड़ी ऑनलाइन मॉनीटरिंग की जरूरत

अभी तक कई स्कूलों में शिक्षक अनुपस्थित रहने के बाद भी दूसरे दिन उपस्थिति रजिस्टर में जाकर हस्ताक्षर कर देते थे। ऐसे में उनके अनुपस्थिति की वास्तविक जानकारी डीडीओ को नहीं मिल पाती थी। इसके अलावा कई शिक्षक अनुपस्थित रहने के बाद संस्था प्रधान से मिलकर भी बाद में अनुपस्थित दिनों के हस्ताक्षर कर देते थे। नई व्यवस्था में अब प्रतिदिन अवकाश पर रहने वाले शिक्षकों की जानकारी ऑनलाइन डाली जाएगी। ऐसे में समय-समय पर निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित शिक्षकों की लिस्ट में अगर स्कूल के शिक्षक का नाम दर्ज नहीं है तो ऐसे गायब रहने वाले शिक्षकों की जानकारी आसानी से मिल सकेगी।

दिया जाएगा प्रशिक्षण

जिला सूचना एवं विज्ञान केन्द्र के प्रमुख एसके जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त व्यवस्था के लिए साफ्टवेयर एक सप्ताह में बनकर तैयार हो जाएगा। इसके उपरांत जिले के सभी वेतन आहरण केन्द्रों में पदस्थ कर्मचारियों को इस कार्य के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। उक्त नए साफ्टवेयर का कार्य जिला एनआईसी टीम द्वारा भोपाल एनआईसी केन्द्र के तकनीकी विशेषज्ञों की सलाह से किया जा रहा है।